

* शिक्षनेर आर्थिक नीति समृद्ध आणेहना करा।
(Discuss the general principles of teaching)

शिक्षाविज्ञान ओ शिक्षनविज्ञानेर (Pedagogy)
आर्थिक अधिकृतता, आचलित धूम्रा ओ विडिप्प गदेघना
द्वारा शिक्षनेर आर्थिक किंवा नीति लागेया आय।
जोडला इला —

१) उद्देश्य आविष्टिकरणेर नीति :-

एकजून शिफ्टकेरु शिक्षनेर उद्देश्य
आप्स्कर्के अर्थात जुगान ना आका आवृ, इहात असुरुद्दे
लाक्ष्यहीन डावे उपरात चालण्यो अवधिवी विख्याय। मादी
एकजून शिक्षक तांब शिक्षनेर कर्मके आविष्टिकरणेर
सूलक वा शिक्षावूलक उद्देश्ये) वा निविधे- द्वारेन,
जेझेसे तिनि शिक्षनेर अर्थक आवृ आवृ तिते यान। प्रवृ-
निविधित उद्देश्येर निविधे शिक्षनेर लाबिकल्पना,
लाबिकल्पना अवृ आवृ आवृ असुरुद्दे द्विक्षुला आवृ द्विक्षुला
जास्त कराते लावेन।

२) लाबिकल्पनार नीति :-

यो कोन काढ्ये राखला निविधे करे
पूर्व लाबिकल्पनार अनुसार आवृ, शिक्षनेर काढ्ये ओ
काढ्ये उद्देश्य असुरु ओ कायकरीतीवे अद्दन करा
येते लावे अर्थात लाबिकल्पनार आवृम्भ। एकजून
शिक्षक लाक- उलझुलानेर पूर्व निविधित लाबिकल्पनार
(Lesson Plan) आकर्ते लाच्ये असुरुति ओ आवृत्ति
लाबिकल्पना असुरुति करेन।

३) जागिर्द्य शिक्षन आविष्टिकरणेर नीति :-

शिक्षनेर जागिर्द्य वर्त वाच्ये शिक्षावी
शिक्षनेर तित्व असुरु लावे। शिक्षनेर तित्व तित्व जावे
शिक्षावीर शिक्षनेर असुरु ओ शिक्षनेर वार्ता लावेन।

जास्त कित्ति विश्वासा। अस्तित्व क्षिप्ति सुनिश्चित करते हों।
क्षिप्ति का क्षिप्तार्थी के अन्न करवेन, या क्षिप्तेच्छा वा क्षिप्तेच्छा
जैसे उपलिके जामज्या सराव्हिले व्यवहार करते रहतेन,
या क्षिप्तार्थीच्छा चिन्ता ५१४३०। हादि करते जाहाय करते,

४) क्षिप्तार्थीक निष्ठा उत्तमकरार नीति :-

क्षिप्तार्थी विभिन्न द्रव्यों विभिन्न अद्यता करवेन।

क्षिप्तार्थी विभिन्न द्रव्यों के अद्यता करवेन।
उक्त द्रव्यों के करवेकर्ता द्रव्यिका लाभन करते हों -
(a) क्षिप्तार्थी उपरागति हात्ते किना ता-विभिन्नता करा,
(b) क्षिप्तार्थी दोषाम द्रव्य करवान्हा ता उपसादा,
(c) क्षिप्तार्थी उपरोक्त निष्ठा इव ता वृत्तध्या करा,

५) निष्ठारोग विश्वास लक्ष्य करतेर नीति :-

निष्ठारोग विश्वास त्रिवन्ध एवं क्षिप्तार्थीमुख्य
करते लक्ष्य अव्याहृत, एवं द्वारा क्षिप्तार्थी द्वारा ते
लाभवे करतेर क्षिप्तार्थी ताव करते अल्पाका करा हात्ते।
अह नीति अव्याहृते क्षिप्तार्थी येतार विश्वास लक्ष्य के विश्वास
गमन करवे तेमन्ही विश्वास लक्ष्य करते ताव अह नीति अव्याहृते व्याहृते.
क्षिप्तार्थी -

- (a) विश्वास उलझानारोग रामर जाहाय जराम आदि
व्यवहार करवेन।
- (b) क्षिप्ता-जाहायक उलझान व्यवहार करवेन।
- (c) अव्याहृतीम उपर्युक्त विश्वास ओ ताह वर्जन
करवेन।

६) शिक्षानके अर्थवह करतेर नीति :-

शिक्षानके अद्य वास्तव जीवन उलझानी
करा ता आदि उवे क्षिप्तार्थी निष्ठारे अविभृतताव जाहें

તો મળાડતે લાગથે માં માટે ક્રિયાનુભૂતિ હશે। અનેથે
ક્રિકેટ નિષ્પત્તિથી વિશ્વાસિક પ્રક્રિયા દર્શાવેન —
(a) ઉત્તેજન સંઘર્ષાંગે વિશ્વાસિક ઉપસ્થાન કરુંબેન —
(b) ક્રિકેટ ચાલાશોર પ્રાણાવળીએ જરૂર વિશ્વાસિક
સ્તુતી કરુંબેન।
(c) ક્રિકેટ કાર્યેષ રૂપાંશે અંતર્ગત વિશ્વાસિક પ્રકાશ
અંદરને ઉપસ્થાન કરુંબેન!

૩ બૃહિ અંતર્ણેસ નીતિ સ્વીકારું :-

બૃહિ નિષ્પત્તિને ફેરફે તોણું સારથે જાકળ
ક્રિકેટ આંતિક નાટીએ રાખેણ જરૂર કરું નથી, તુંભું
નિષ્પત્તિ - બૃહિ અંતર્ણેસ ની નિષ્પત્તિ આપી રાખે, નિષ્પત્તિને
ભાવ નિષ્પત્તિ નાટીએ કરું કરું રાખે રાખે સુધ્યાંગ દર્શાવેન。
સર્વાંગ અંગેક - ક્રિકેટ આંતિક માટે તો એ નિષ્પત્તિ મળે કરે
ક્રિયાતે લાગે ભાવ - અન્ય ઉપસ્થાન પ્રબળી અરજન દરાવેન!

૪ ક્રિકેટ બૃહિની નીતિ :-

ક્રિકેટને બૃહિની નિષ્પત્તિ કરું કરું કરું કરું કરું
બૃહિની ઉપસ્થાન, જીવાનિય કાર્યો નિષ્પત્તિ હશે ક્રિકેટ
બૃહિની હાથ્યાંદું બિવા હુદા તો ક્રિકેટ આંતિક દ્વારાનો।
અને અન્ય અંગેથીની ચારીની વૃદ્ધિસૂલ્ય વૃદ્ધિસૂલ્ય (Formative
evaluation) - કરું કરું કરું કરું (અંગેથીની અનુભંગી
નિયાંદું - અનુભંગ કરું)

૫ ક્રિકેટ આંતિક વાર્ષિક નોંધારું :-

ક્રિકેટ કાર્ય - ક્રિકેટ આંતિક હુંગ બિકાણ ઘટેજો
ઓછે ક્રિકેટને ની નિષ્પત્તિ નાટી નિષ્પત્તિ કરું કરું - ક્રિકેટ આંતિક
બિકાણ નાટી રાખુંયા, નાટી નિષ્પત્તિ -

(a) વિભિન્ન સમસ્યાઓ ક્રિકેટ કારીનાંના કરવેન,
(b) ક્રિકેટ સંસ્કરણ ક્રિકેટ ચારના ચિત્રાંનાંના ચિત્રાં
કરવેન।

(c) ક્રિકેટ આંતિક અનુભંગ કરવેન (અને જાહાયો) ર ૨૧૦
બાંધુંયા - દર્શાવેન!

* शिक्षणेर चूल्णीति वा कार्यकारी नीति की?
 (what is Maxims of teaching)

शिक्षणेर किछु सर्वर्ग नीति इन्हें ब्रह्मचरित
 विद्यान इसापे अतिरिक्ताल्प कठकज्ञलि नीतिके शिक्षण
 करण्ये अप्यज्ञानं करा इम उपर्युक्त देशेषा इय। शिक्षणेर
 जग्मन्त्रिक अतिरिक्तार धर्माङ्कुष्ठि इसापे शिक्षणेर नीतिश्चलि
 अतिरिक्ताल्प जग्म इसापे विवेचित इयेहेच, जोश्चलिए
 शिक्षणेर चूल्णीति वा कार्यकारी नीति (Maxims of Teaching)
 एव्यु इय।

विकास्त शिक्षाविद् इन्हें ज्ञानसर्व विज्ञान
 त्रित्रिक शिक्षणेर कठकज्ञलि नीतिर एकटि तत्त्वाकाश्चत्तु
 करेण। लाभवर्तीकरणे अहे नीतिश्चलिर जग्मास अव्याप्ता देशे
 शिक्षकेर जग्मन्त्रिक अतिरिक्तार धर्माङ्कुष्ठि इल शिक्षणेर
 चूल्णीतिज्ञहा। अहे नीतिज्ञहूऱ्ये एकज्ञन शिक्षणेर
 लाभिचाणलार प्रोत्प्र यव्याप्त उल्लेख आकला।

* शिक्षणेर चूल्णीतिश्चलि जाँचेलो- शिखेचास करा।
 (Discuss the Maxims of Teaching)

शिक्षणेर चूल्णीतिश्चलि उद्देश्यवान् जाँचेलो
 शिखेचास करा इल —

श शिक्षणेर अकृतिके अप्यज्ञानं (Follow the nature of child)।

त्रित्रिक शिक्षणेर अकृतिके शिक्षाविद् शिक्षणेर देशिक,
 शास्त्रज्ञान, शास्त्रज्ञानक ३ अप्यग्राम-विकाशेर शिक्षणेर विवेचणा
 करेण त्रिव अन्तः व्यव्याप्ति-विश्वव्यव्याप्ति ३ लक्ष्ये शिर्विचल
 करते इय। अर्थात् शिक्षाविद् अप्यग्रामविक-विवेचणेर विवरा
 अप्यव्याप्ति शिक्षणेर लाभिचाणलात करते इवे। शिक्षणेर देशिक
 ३ शास्त्रज्ञान विवक्षण, त्रिव चालिद्वय, अप्यर, मन्येव अप्युपि
 अव्यु शिक्षणेर अप्यग्रामविक अकृति अप्यज्ञानं करमहे इल दिल
 नीतिर त्रिवासी।

২) জ্ঞানোবক্ষেত্রগুলির বিচার থেকে প্রাক্তিকভাবে বিচার (From Psychological to logical) :-

କଣ୍ଠର ମଧ୍ୟ ମାନ୍ୟାଜିକ ବୈକିନ୍ଦ୍ରୀ ଲିଟ୍ରେ,
ବିଷୟବରସ୍ତୁତେ ଥୁଣ୍ଡିଡିକ- ଫିଲେ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରା ଯାଏ
ନା, କିମ୍ବା ବିଷୟବରସ୍ତୁତେ ଅନ୍ୟ ଗ୍ରହିଯେ ବିଷୟବରସ୍ତୁତେ ମନୋ-
ବିଜ୍ଞାନାତ୍ମିକ- କିମ୍ବା ଅନୁଭାୟୀ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ ନାହିଁ କହେ ଥୁଣ୍ଡି-
ଡିକ- ଫିଲେ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରିଲେ ତା କିମ୍ବା କାହିଁ ଅନ୍ୟ-
ମେଳ୍ପୁ- କାହିଁ ହତ ଲାଗେ ।

ମେଘନ - ଡେଙ୍ଗୁ କିଶୋରଙ୍ଗେର ଫେଟେ - ଅନ୍ତରୀ ବନ୍ଦ ଲାବିଚନ୍ଦ୍ର ଦିଖେ
କ୍ଷେତ୍ର କାହିଁ, ଲାବେ ଜାମୁକୁ କାହିଁ ଓ ସାଥ୍ୟ ଡେଲାରୁଳାନ ପାହି -
ଅଟି କିଶୋରଙ୍ଗେର ପ୍ରାଣି ପିଣ୍ଡିକ ଦରମ, କିନ୍ତୁ କିଶୋର ବିକାଶେର
ଶ୍ରଦ୍ଧାବିକ ଶୀର୍ଷାପ କିଶୋର ଅଥବା କଥା ବଳୀର ମଧ୍ୟରେ ବାଲୁର
ଅକାଳ ଘଟାଯି, ଉପାର୍ଥ ଡେଙ୍ଗୁ କିଶୋରଙ୍ଗେର ମଜୋବେଦ୍ୱତ୍ତାଶୀଳ
ଦରମ ଅଥବା ବୀକୁ କାହିଁ, ଲାବେ କାହିଁ ଓ ଏମେର ଲାବିଚନ୍ଦ୍ର
ହୁଏ । ଅଛେତେ - ଅଥବା ଲମ୍ବିଯେ ମଜୋବେଦ୍ୱତ୍ତାଶୀଳ ଦରମ ଅନ୍ତରୀବଳ-
କାବେ ଲାବବତ୍ତୀ ଲମ୍ବିଯେ ମୌକ୍ତିକ ଅତି ଅନ୍ତରୀବଳ - କବା ତୈରି
ଦ୍ରୁବ୍ୟ ତା କବଣ୍ଠେ - କିଶୋର କାହିଁ ସେବୀ ଅନୁନଥୋପ୍ରାପ୍ତ ହୁଏ ।

6. સ્ટોરી-ચેર્ચ એંગ્લી (From whole to part):-

ପୋଷିତିକ ନିର୍ମାଣନେ ଏହିଙ୍କାନେ ଜଗତାଧିକ କିମ୍ବା
ଶିଳ୍ପକିରଣ କିମ୍ବା ଚଟମେ ବେଳୀ କାମକୁର , ଜୋକାବାବେ ଜାଗର
ଦିଲିମ୍ବନର କାମକୁର ଅଥବା ଉଲଜ୍ଜାଲାନେ ଲାବ ସିଂହେ ଧୀରେ ଭାବେ
ଦିକେ ଉଦ୍‌ଘାତ ହତେ ହବେ ।

ମେନା - ଏକଟି କବିତା ଉପାର୍ଜନାରେ ଶବ୍ଦ ସମ୍ମାନ କରିବାଟି
ଏକମେହେବୀ ଉପାର୍ଜନ କରସ ଫଳ କବିତାର ଅଞ୍ଚଳରେ
ପ୍ରାଚ୍ୟା ବିକ୍ଷେପଣର ଦିକେ ଅନ୍ୟଜବ ଝଣ୍ଡ ହେ । ୨୦୧୩
ଶିଖାର୍ଥୀ କବିତାଟିର ଚାମଲିକ ତାତପଥ ଜାହଙ୍ଗିର ପ୍ରକାଶ
ଲାଭବେ ।

४) विश्लेषण से विश्लेषण (From analysis to synthesis) :-

विश्लेषण यह विश्ववस्तु के कुछ क्षेत्रों पर विश्लेषण -
 विश्लेषण कराए जाते हैं, उनके अधिकारी यह विश्लेषण कुछ
 अंकों के साथ कराए जाते हैं। इसे नाम अंक अंकी
 विश्ववस्तु के कुछ क्षेत्रों पर विश्लेषण कराए जाते हैं विश्ववस्तु
 हिते हैं, जबकि लाभियों के क्षेत्रों विश्लेषण कराए जाते हैं।
 जगत्प्रभुजीवन करते हैं।

मेघन - बाकरने लाएँगे क्योंकि अकार्यकाल उद्धरण के
 विश्लेषण के माध्यम से अकार्य विश्लेषण कुछ गठन करते
 हैं।

५) विशेष स्थेके अस्तित्व (Particular to General) :-

किसी नए विश्लेषण के अस्तित्व करने
 (generalisation) वा कुछ दायरे के अन्य अस्तित्व के विशेष-
 विशेष - जिसिंहतों के दृष्टिकोण से दोनों दिव्यते इस
 अवधि - अवधि - विशेष - विश्लेषणों की विशेषता कुछ
 दर्शाते हैं।

मेघन - बाकरने कुछ चीज़े, साँधों चीज़े वा विश्वाने -
 कुछ दायरे के अस्तित्व की विशेषता करते हैं।

६) ज्ञान स्थेके अस्तित्व (From known to unknown) :-

किसी नए अवधि के विश्लेषण के अस्तित्व
 अवधि के कथा अधिकारी करा हास्यहृत। अपने विश्ववस्तु के
 पूर्वज्ञाने के साथ अवधि विश्ववस्तु के करते हैं। उनका सुनान
 करते हैं। अवधि अवधि अपने द्वाधा द्वयकारी अपना
 अविश्लेषण अवधि अपना लूबलाटे। विश्लेषण करते हैं तो वह
 विश्लेषण के दृष्टिकोण विश्लेषण के अवधि के अस्तित्व के
 अवधि है। कुछ वाह विश्लेषण कार्य अविश्लेषण के अस्तित्व
 विश्लेषण के अवधि अवधि अपने साथ साझकरते हैं।
 अपना अवधि अवधि करते हैं। विश्लेषण के अवधि के अस्तित्व



भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

ମୁଖ୍ୟ - ନାତ୍ରିଜ ଏବଂ କେବଳ ଅନିଷ୍ଟତା ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନାରେ ଯତ୍ନ କ୍ରିକ୍ଷାଣୀ
ଦେଇ ବିପରୀତେ ଆଶ୍ଵର ହାତୀରେ ଅନିଷ୍ଟତା ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ
କରେଛେ ଏ ଜାଗାରୁକ୍ତିବଳନ୍ ଦେଇନିର୍ଦ୍ଦିନ ଅନିଷ୍ଟତାକୁଲାଭେ
ନିମ୍ନେ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରେ ନାତ୍ରିଜ ଅନ୍ଧା ଅନିଷ୍ଟତାର ଦ୍ୱାରା ବିଭିନ୍ନ
ରୂପେ ଥିବେ ।

৭। স্থির যেকে বিন্দুত (From concrete to abstract):

ଅନ୍ତର୍ମଧ୍ୟରେ ବିଷ୍ଣୁର ଚିତ୍ରର କ୍ଷମତା-
ଏହିକେ ଲୀମା, ଦେଖିଲେ ବିଷ୍ଣୁର ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଆହୁମ୍ୟ କରିବେ
ଯାହା କୁଠର ସଙ୍ଗର ଆହୁମ୍ୟ ଲୋକମା ଜୀବନରେ, ତାହାରେ ବିଷ୍ଣୁ
କିମ୍ବା କାମରେ ଉତ୍ସର୍ଗ ହେଲା ଓହି, ଉତ୍ସ ଲୀତିକେ କାମରେ
ଲାଗିଥିଲେ କିମ୍ବା କୁଳରେ ଆଧୀନିତ (Teaching aids) - ଦ୍ୱାରା
ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲାମ କାମରେ ଓହିରେ ।

ମେଘନ- ପାନିଟେର ଜାତ୍ୟାଶ, ମନୁଷ୍ୟ, ଆଜକାର-ଶ୍ରୀମତି (ଧେନ୍କ,
କାନ୍ତି, ଚୋଟି ହେତୁଗାନ୍ଧି) ଅଛୁତ ନିଷ୍ଠାର କାନ୍ତ ବିଶ୍ୱାସ, ଏକାଳୀର
ନିଷ୍ଠାର- କାନ୍ତରେ କେମ୍ବ ଅତ୍ୟଳାର୍ଥୀ ନେଇଁ, କିନ୍ତୁ- ଦିନିଶ୍ଚ ହବି,
ମାତେଳେ- ବା ଅଗ୍ରହ ବନ୍ଧୁର ସାହାଯ୍ୟ- ଅଭାଲୀକେ କିଷ୍ଟର କାନ୍ତ
ହୁଏ ଦ୍ଵାରା ମନ୍ତ୍ରବ, କୁତରାଙ୍ଗ ଘୃତ ବନ୍ଧୁର ମାହାଯ୍ୟ ବିଶ୍ୱାସ ବନ୍ଧୁର
ବିଚନ୍ଦ୍ର ବା ଅନିଷ୍ଟତା- ଅନ୍ୟ ନିଷ୍ଠ ନୀତିର ଅତ୍ୟଳାର୍ଥୀ ।

प्रारंभिक स्तर (From Simple to Complex) :-

କିମ୍ବାଣେ ଅର୍ଥାତ୍ ଜାଗିଛ କବଳ ପିଲିଖିତତା ହୋଇଥାଏ ବିଶେ
ଶୀରେ ଫୁଲିଲା ପିଲିଖିତତାର ଦିକେ ଆଗମାର ହତ୍ଯା ହେଲିବା । ଏହି-
ଅଗ୍ରା କିମ୍ବାଣେର ଅନ୍ଧାରର ବିଶ୍ୱାସରୁକ୍ଷକେ ଯାହାମାତ୍ରେ ବିଶ୍ୱାସେବ
ଲାଭେନ୍ଦୂଳ ହୁଏ, ଏହାକାହିଁ ଆମାମୀ ବିଶ୍ୱାସରୁକ୍ଷକେ ଯାଏଇସେ
ପିଲିଖିତାଲାଙ୍କ କା କରିଲେ କିମ୍ବାଣୀ ଅନ୍ଧାରେ ଫୁଲିଲା ପିଲିଖିତତାର
ଶାଶ୍ଵତିନ ହୁଏ ଅନ୍ଧାରକାରୀ ହତେ ଲାଏ ଟେଙ୍କା ତାର ଦାରାନ ଅଳ୍ପେ
ମନମୀ ଲାଗିଲେ ଲାଗିଲେ ଲାଗିଲେ ।

ଶବ୍ଦା-ଲାଗେଇ ଲାଗେଇ କିମ୍ବା ଶବ୍ଦର ବିଷ୍ଣୁମହାତ୍ମକେ

ମେନଙ - କାହାରେକ କାହାଙ୍କୁ ଲାଗିଥିଲା ଶବ୍ଦ କାହାରେ
କାହାରେକ କାହାଙ୍କୁମେଇ କାହାରିବା ଦୀରନା, କେଳାହାତ, କେଳାହାତର
ଡିଟ୍ସ, କାହାଙ୍କୁ, ପ୍ରାଣୀ, ସମ୍ବନ୍ଧନିକ ଜାଗିକବନ୍ତ ଓ ତାର ପ୍ରାଣୀ
କାହାରେକ ଅଛେଇବେ କାହାଙ୍କୁଯେ କେଳାହାତାର କବଳେ କିମ୍ବାରୀ ସାମାଜି
ଦୀରନୀ କରିବ ଲାଗେ ।

20) അനിദിത്ത മുകോ കൊള്ളൽ (From indefinite to definite).

ଶିଳ୍ପାଧୀନେର ବରସୁର ଖୀରନେର ଏହା- ଆଦିଷ୍ଟତା-
ଆମେର କିମ୍ବା ଜୋଖି ମାକଣୀ ଆଦିଷ୍ଟତା- ଦୂରତ୍ବ ଉପରେ ଆମେଶ୍ଵରିତ ଓ
ଅନିର୍ଦ୍ଦିତ- ଆବଶ୍ୟକ ଉପକାର , କିମ୍ବା କୌମାନିକ କେନ୍ଦ୍ରଗ୍ରୂ-
ହାଳ କରୁଥିବ ବିଶିଳ୍ପ ଆଦିଷ୍ଟତାକୁଳିକେ ଜ୍ଞାନିର୍ଦ୍ଦିତ ।
ନିରାଳୀତ କ୍ଷେତ୍ରେ ପାତ୍ରାଦିକୁ ସ୍ଥିତ କରା , ଶିଳ୍ପନେର ଦ୍ୱାରା
ବୀରି ଚଲାବିଦ୍ୟା ଓ କୌମାନିକ ମୋଲିକ ତେବେ କଲେବ ଏହିତି-
କବେ ଏହେ- କଟେଛେ ।

ଶ୍ରେଷ୍ଠଙ୍କ : ସଫ୍ଟଲୋଟ୍‌ର ଜାଗମ ଭାବେର ଜଣକାଳି ଓ କାହୁର ଅନିଷ୍ଟତା ଜାବଲୋବାରୁ ଦେଖିବା, ଭାବେର ପାଇଁବରା ଓ କାହୁର ଗାତିବେଶେର ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଦେଖିବା ଏବଂ ସଫ୍ଟଲୋଟ୍‌ର ଜାଗମ ଅନ୍ତର୍ଭାବ ଜଣକାଳି ଆମେ ଦେଖି ଯାଏ ଅଥବା ଲୈବା ନାହିଁ ଏବଂ ଯାଏ କିଛିକି ଅନିଷ୍ଟତା ହେଉଥାଏ ମେତେ ଲାଗିବା ।